32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-4

“मेरी सहेली बोली- अरे तो क्या हुआ ! वैसे भी तो हम यहां पर चूत में लंड ही लेने आई हैं, और दर्द में ही तो चूत चुदाई का मज़ा है। इनका लंड भी तो उनसे काफी मोटा है। ...”

Story By: Mallika Rai (Mallika02)
Posted: Wednesday, December 28th, 2016
Categories: ग्रुप सेक्स स्टोरी
Online version: 32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-4

तभी जॉन नाश्ता लेकर आया नाश्ता करने के बाद नादिया फिर से उनके लंड को चूसने लगी।
मैं समझ नहीं पा रही थी कि इतनी थकने के बाद भी इसमें चुदने की इतनी क्षमता है।

कुछ ही देर में उसने पाँचों के लंडों को चूस चूस कर खड़ा कर दिया, उसे इस तरह देखकर मैं भी गर्म हो गई और फिर मैं भी उसका साथ देने लगी और हमने एक बार फिर चुदाई की, इस बार भी पहले की तरह बेरहम चुदाई हुई और पहले से भी ज़्यादा मज़ा आया। पर इस बार आधा घण्टे ही चुदाई हुई।
हम दोनों तो की चूत और गांड दोनों दर्द कर रही थीं, कुछ देर हम दोनों एक दूसरे से चिपक कर सो गईं।

2 बजे क्रिस ने हमें उठाया और फिर कॉफी पिलाई, उसके बाद हम बीच पर फिर से घूमने आ गईं, 2 घण्टे की चुदाई के बाद हम दोनों ही अंदर से बहुत हल्का महसूस कर रही थीं।

मुझे पता नहीं क्यों नादिया पर प्यार आ भी आ रहा था क्योंकि उसी की ही वजह से मुझे एक साथ 5 लंड से चुदने को जो मिला, और 5 लंड क्या अभी तक जिन 32 लंडों से चुदी हूँ उनमें से सिर्फ 3 या 4 लंड ही ऐसे हैं जो मैं जो नादिया की वजह से नहीं मिले हैं, वरना मुझे सारे लंड उसी की वजह से ही मिले हैं यहाँ तक कि आकाश जो मेरा बॉयफ्रेंड वो भी नादिया की बदौलत है।

खैर मैं उसे बीच पर ही किस करने लगी, उसने मुझे दूर किया, फिर मैं भी सम्भली।

हम दोनों ने बहुत देर बीच पर मस्ती की पर उस जगह पर जहाँ पर नंगे मर्द ज़्यादा थे, उनसे हमने बहुत देर तक फ़्लर्ट किया, उनके अंगों को भी छुआ और उनसे भी हमारे अंगों को स्पर्श कराया।

तभी मुझे सुसु आई और नादिया ने मेरा सुसु पीने की इच्छा ज़ाहिर की क्योंकि वो सु सु पीने की भी बहुत शौकीन है।

हम दोनों एक सुनसान जगह पर घूमती हुई निकल गईं, वहाँ पर नादिया ने सु सु पिया और उसने भी मुझे उसकी सु सु पिलाई। वैसे मैं भी सु सु पीने की बहुत शौकीन हूँ, पर सिर्फ नादिया की ही सु सु पीने की।
हम दोनों के चेहरे सु सु से भीग चुके थे।

तभी हम वहाँ पर हमने तभी कोई चिल्लाने की आवाज सुनी, ढूंढते ढूंढते हुए हम उस जगह पहुंचीं जहां से आवाज आ रही थी।
हमने छुपकर देखा तो 6-7 लोग 2 लड़कियों की चुदाई कर रहे थे, दोनों उछल उछल कर उनसे चुदवा रही थी और वो यही कोई 19-20 साल की उम्र की होंगीं।

उनके लंड देखकर तो हमारे होश ही उड़ गए उनके लंड तो इन अफ्रीकन से भी ज़्यादा बड़े और मोटे थे, उनके लंड और उनकी चुदाई देखकर कब मेरा हाथ मेरी चूत पर पहुंच गया पता ही नहीं चला, और मैं भी उनकी चुदाई देखते हुए मेरी चूत को मसलने लगी और नादिया भी।

जब हम दोनों स्खलित हुई तब दोनों वहाँ से आ गईं। पर मेरे दिमाग में तो बस उन्हीं का लंड दिख रहा था।
नादिया बोली- सुन राबिया, मुझे तो उनसे चुदने की इच्छा हो रही है, चल न उन्हें इसके लिये पटाना कोई बड़ी बात नहीं है, ये तो मेरे लिये 2 मिनट का काम है।

मैं- नहीं वो हमारी हालत बिगाड़ देंगे… देखा नहीं तूने, वो उन दोनों की कैसे चुदाई कर रहे थे।

नादिया- अरे तो क्या हुआ ! वैसे भी तो हम यहां पर चूत में लंड ही तो लेने आई हैं, और दर्द में ही तो चूत चुदाई का मज़ा है। इनका लंड भी तो उनसे काफी मोटा है।

मैं- नहीं, मुझे बहुत डर लग रहा है। और हम अभी 5 घण्टे पहले ही तो चुदी हैं।

नादिया- तो क्या हुआ ! ऐसे लंड हमें ज़िन्दगी में पता नहीं कब मिलेंगें ? अगर तुझे चुदना हो तो चल मेरे साथ वरना मैं तो अकेली ही उनसे चुदने चली जाऊँगी। कहीं ऐसा न हो कि तू ज़िन्दगी भर पछ्ताती रहे।

इतना बोलकर वो रिसोर्ट की तरफ चल दी और मैं भी उसके पीछे आ गई, उससे कुछ नहीं बोली और न ही वो !
मेरी आँखों में अभी भी उनके लंड घूम रहे थे।

कुछ ही देर में हम रिसोर्ट पहुंच गईं और टेंडाइ के दोस्त से नादिया ने कुछ सामान लिया और फिर जाने लगी, मैं भी उसके साथ चल दी और हंस दी।
उसने मेरे चूतड़ पर एक चपत लगाई, और मैं उसे सॉरी बोलने लगी, मैंने उसे प्रॉमिस किया कि मैं भी उसके साथ यहाँ जब तक रहूंगी नए लंड लेती रहूंगी।

हम बात करती हुई उस जगह पर पहुंच गईं जहां पर हमने चुदाई देखी थी।
वहाँ जाकर देखा तो वो सब कपड़े पहनकर बातें कर रहे थे, पर मेरे मन में एक डर था लेकिन नादिया मेरे साथ थी तो मुझे बहुत बेफिक्री भी थी।
नादिया ने मुझे हौंसला दिया और मेरे मन से भी सारा डर बाहर निकल गया।क्योंकि हम दोनों अभी कुछ घण्टों पहले ही चुदी थी तो

नादिया ने भी थोड़ा देर से चुदने के लिये ही बोला था, उसने मेरा हाथ पकड़ा और उनके पास गई और बोली- हैलो बॉयज !
इतना सुनकर सभी हमारी तरफ देखने लगे और हमारे नंगे बदन को घूरने लगे क्योंकि हम पूरी नंगी तो थी ही और फिर हमारा फिगर बिल्कुल मॉडल जैसा।

हम उनके पास गई, नादिया बोली- क्या हमसे दोस्ती करोगे ?

सभी ने हाँ में ही जवाब दिया और उन्होंने हमें बैठने के लिये कहा। वो 6 लोग थे जिनमे से 2 ब्लैक थे और सभी के सभी बॉडीबिल्डर थे।
अब तो मुझे भी नशा चढ़ने लगा था, उनसे बात करने में मज़ा भी आने लगा था इन लोगों के बीच में नंगी होने के बाद भी मैं बिल्कुल नार्मल महसूस कर रही थी, और नादिया भी।

वो बात बात में हम दोनों के जिस्म को छू भी रहे थे, उनके हाथ भी बहुत कड़क थे और वो सभी किसी न किसी बहाने से मेरी जाँघों को भी निहार रहे थे, जिससे मेरे शरीर में एक करन्ट सा दौड़ जाता था।

तभी नादिया ने कुछ खाने के लिये कहा उनमें से एक टेंट में गया और कुछ नाश्ता और 2 बियर की बोतल लाया और साथ में ग्लास भी।
हमने साथ में नाश्ता किया और बियर पी।

वैसे मैं ये शौक ज्यादा नहीं करती हूँ, पर नादिया साथ में थी, मैंने मना नहीं किया।

उनसे मस्ती करते हुए हमे शाम हो गई थी, मुझे कुछ देर बाद सुसु आई और मुझमें भी बहुत ज्यादा बेशर्मी आ गई थी तो मैं उनके सामने ही बैठकर सु सु करने लगी।

तभी नादिया ने मुझे रोक दिया, कहने लगी- जब हम मज़े करने आई हैं तो उनको भी तो मज़े करायें !

मैं समझ चुकी थी कि यह उनको सुसु पिलाने की बात कर रही है। कुछ देर के लिये मैंने मेरी सु सु को रोक दिया और नादिया ने उनसे कपड़े निकालने के लिये कहा और ये भी कहा कि चुदाई से पहले तुम सबको हमारा सु सु पीना होगा।

यह सुनकर तो सबने ही पूरे कपड़े निकाल दिए और पूरे नंगे हो गए।

एक तरफ होकर सबने बारी बारी से मुँह को चूत से लगाया और सुसु पी, वो सब के सब बिना एक बून्द नीचे गिराये ही सारा सु सु पानी की तरह पी गए जैसे कि यह उनके लिये रोज का ही काम हो।
मेरे बाद नादिया ने उन्हें सु सु पिलाया।

अँधेरा होने लगा तो मैंने नादिया को वापिस चलने के लिये कहा पर उन्होंने हमें रोक लिया, 2 लोग टेंट में अंदर गए और अन्दर रोशनी हो गई। उन्होंने हमें टेंट में चलने के लिये कहा, हमने वैसा ही किया।

अंदर टेंट में बहुत जगह थी, हम उसमें आसानी से चुद सकती थीं।
टेंट में अंदर आते ही हमने उनके लंड को चूसना शुरू कर दिया।
पहले मैं आपको उनके नाम रख दूँ जैकब, केन, (दोनों ब्लैक) और मैट क्योंकि रियल नाम मुझे याद नहीं।

जब मैं उनके लंड को चूस रही थी तभी मुझे जैकब ने लेटाया और मेरी चूत को चाटने लगा, जॉन ने अपना लंड मेरे मुँह में डाल दिया। उसका लंड सच में बहुत ही ज्यादा मोटा था, जब थोड़ा लटका हुआ था तो आसानी से मुँह में चला गया था।
पर जब उसका खड़ा और कड़क होने लगा तो मेरे मुँह में ही दर्द होने लगा, उसका लंड मेरे गले में अटक रहा था। और 2-3 लोग मेरी जाँघों को भी सहला रहे थे।

3-4 मिनट की चूत चुसाई में ही मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया, जॉन ने भी उसका लंड मेरे मुँह से बाहर निकाल लिया तो मेरे मुँह को भी थोड़ी राहत मिली।

तभी जैकब ने मेरे मुँह में लंड को डाल दिया पर उसका लंड तो पहले से ही खड़ा हुआ था, उसने कोशिश भी की पर मुँह में जा नहीं पाया, पर मैं भी उसके लंड को मुँह में लिये बिना छोड़ने वाली नहीं थी जैसे तैसे मैंने उसके लंड को मुँह में ले लिया, बाकी रहा काम मेरे मुँह को चोदने का… तो वो जैकब ने कर दिया।

तभी मेरे दोनों हाथों में दो लंड और आ गए मैं उन्हें सहलाने लगी। इस तरह बारी बारी से 6 ने ही मेरी चूत को चाटा, चूसा और मेरे मुँह को भी जबरदस्त चोदा।

अब बारी चूत में लंड लेने की थी तो केन ने इसकी शुरुआत की, पहले वो बिस्तर पर लेट गया और मैं उसके ऊपर बैठ गई उसने हौले हौले उसका पूरा लंड मेरी चूत में डाल दिया। तभी तुरन्त ही जेम्स भी मेरे पीछे आया उसने सिर्फ थोड़ा सा ही लंड मेरी गांड में डाला था कि मेरी दर्द से चीख निकल गई, पर मैंने उसे सहन कर लिया, कुछ ही देर में उनसे पूरा लंड मेरी गांड में अंदर तक डाल दिया और मैं दर्द से तड़प उठी, मैंने उससे लंड को निकालने की विनती की।

पर तभी नादिया जो की चुदने की शुरुआत कर चुकी थी, बोली- इसकी एक भी बात मत सुनना, इसकी चूत और गांड को आज फाड़ कर रख दो और मेरी भी!

‘वी आर वैरी हॉर्नी, प्लीज फ़क अस वैरी हार्ड, फ़क अस उम्म्ह… अहह… हय… याह…’ नादिया ने उन्हें जोश दिलाने के लिये ये सब बोला था।

इतना सुनते ही उन्होंने तुरन्त ही मुझे चोदना शुरू कर कर दिया, पर मैं चुदते हुए नादिया की तरफ देख रही थी, वो चीख चीख कर चुदवा रही थी और साथ में बोल रही थी ‘फ़क मी

वैरी हार्ड, फ़क माय ass हार्ड, फ़क माय पुसी… आह्ह्ह्ह!

यह सुनकर मुझे भी जोश अ गया और मैं भी उछल उछल कर मज़े लेने लगी। कुछ ही देर में उन्होंने धक्कों की गति इतनी तेज कर दी कि मेरी चूत और गांड दोनों में ही दर्द होने लगा, मेरी चूत में भी जलन हो रही थी और नादिया को देखकर मैं भी उसकी तरह चीख चीख कर चुदवा रही थी।

हम जितना चीखती, वो उतनी ही तेज और मज़े से हमें चोदते और हमारा मज़ा भी बढ़ जाता।

कहानी जारी रहेगी।

mrai021972@gmail.com

Other stories you may be interested in

पाँच लौड़ों से चुद गई जंगल में

दोस्तो, मेरा नाम रानी है और मैं एक शादीशुदा महिला हूँ. मेरी उम्र 27 साल की है. मेरी शादी को 3 बरस हो चुके हैं. मेरे पति एक पुलिस ऑफिसर हैं और वह बहुत ही हट्टे-कट्टे मर्द हैं. साथ ही […]
Full Story >>>

मेरी कामवासना तेरा बदन

प्रिय नीलू, आज मैं तुम्हें ये लैटर लिख रहा हूँ. एक दोस्त, एक ठोकू और तुम्हारा प्रियतम, इस हैसियत से मैं ये लेटर लिख रहा हूँ. जानू … आज तुम मेरे साथ नहीं हो, किन्तु तुम्हारी हर याद मैंने, मेरे […]
Full Story >>>

मेरे बदमाश दोस्त ने मेरी बीवी को लंडखोर बनाया

दोस्तो, मेरा नाम संजय है. मेरी बीवी का नाम अनु है. मैं 26 साल का हूँ और मेरी बीवी 25 साल की है. हमारी शादी को 5 साल हो गए हैं. हमारी एक बेटी है, वो अभी 4 साल की […]
Full Story >>>

माँ बेटी की मज़बूरी का फायदा उठाया-5

दीपक से रुका नहीं गया, उसने उठकर मानसी को अपनी बांहों में जकड़ लिया और बोला- तुम चिंता मत करो, मैं सब सम्हाल लूंगा। दो दिन की बात है और तुम पहले जैसी बन जाओगी। यह बोलकर उसने मानसी की […]
Full Story >>>

बड़ी चाची की चुदाई देख छोटी को चोदा-4

नमस्कार, मैं अनिल एक बार फिर से अपनी मस्त चाचियों की चुदाई की कहानी का अगला भाग लेकर हाजिर हूँ. पिछले भाग में मैंने बताया था कि कैसे मैंने छोटी चाची की चूत को चोदा था और दूसरी बार की […]
Full Story >>>